विद्या भवन बालिका विद्यापीठ

शक्ति उत्थान आश्रम, लखीसराय

(एन.सी.ई.आर.टी पर आधारित)

कक्षा – पंचम् तिथि – 05/05/2021

विषय-संस्कृत सुमिता कुमारी

सुप्रभात बच्चों,

संस्कृत में आप सब पाठ-1 'संस्कृत-वर्णमाला' का स्वर,व्यंजन तथा अयोगवाह के बारे में अध्ययन करेंगे।

संस्कृत

प्रथमः पाठः

संस्कृत-वर्णमाला

***<u>स्वर-</u>** वे वर्ण होते हैं, जिन्हें उच्चारण करते समय किसी अन्य वर्ण की सहायता नहीं लेनी पड़ती है। संस्कृत वर्णमाला में स्वरों की संख्या 13 है।

अ,आ,इ,ई,उ,ऊ,ऋ,ॠ,ऌ,ए,ऐ,ओ,औ

व्यंजन

वे वर्ण हैं,जिनका उच्चारण करते समय स्वर वर्ण की सहायता लेनी पड़ती है।

संस्कृत भाषा में व्यंजनों की कुल से संख्या 33 होती है।

व्यंजन मूल रूप में हलंत के चिह्न(्) के साथ लिखे जाते हैं। जैसे 'क' व्यंजन का मूल रूप-'क्' है।

*व्यंजनों को 5 वर्गों में विभाजित किया गया है। प्रत्येक वर्ग में 5 वर्ण होते हैं और प्रत्येक वर्ण का नाम उसके प्रथम वर्ण के नाम पर रखा गया है ।

कवर्ग- क्, ख्, ग्, घ्, ङ्

चवर्ग-च्, छ्, ज्, झ्, ञ्

टवर्ग-ट्, ठ्, ड्, ढ्, ण्

तवर्ग-त्, थ्, द्, ध्, न्

पवर्ग- प्, फ्, ब्, भ्, म्

<u>अयोगवाह</u>

यह न तो स्वर होते हैं और न व्यंजन ,इन्हें केवल चिह्नों के द्वारा दिखाया जाता है ।

यह दो होते हैं-(i) **अनुसार(ं) – अंदर,बंदर**

(ii)विसर्ग (ः)- प्रातः,फलतः

<u>अभ्यास</u>

<u>1.व्यंजनैः सह स्वरान् मेलयत लिखत च-</u>

(व्यंजनों के साथ स्वरों को मिलाइए और लिखिए-)

(i) च्+आ=...चा.... (ii)ब्+उ=.....

(iii)म्+ऋ=..... (iv)स्+अ=.....

(v) ल्+इ=..... (vi)फ्+ऐ=.....

(vii)न्+ऊ=..... (viii)ज्+औ=.....

(ix) थ्+ई=..... (x)र्+ए=.....

<u>2. निम्नव्यञ्जनानि वर्गानुसारेण लिखत- (निम्न व्यंजनों को वर्ग के अनुसार लिखिए।)</u>

ङ्, फ्, च्, छ्, भ्, थ्, घ्, ढ्, ख्, न्